न्यूज डायरी

अमेरिका ने अपने नागरिकों को तुरंत यूक्रेन छोड़ने की चेतावनी दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। इस बीच अमेरिका, ब्रिटेन, जापान सहित कई देशों ने अपने नागरिकों को तुरंत यूक्रेन छोड़ने का आदेश जारी किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तो यहां तक कह दिया है कि उनकी सेना रूस के हमले के बाद अफगानिस्तान जैसा कोई रेस्क्यू मिशन नहीं चलाने वाली है। जिसके बाद से यूक्रेन से बड़ी संख्या में अमेरिकी और ब्रिटिश नागरिक निकलने भी लगे हैं। उधर, तनाव को देखते हुए अमेरिका ने पोलैंड में 3000 और अमेरिकी सैनिकों को तैनात करने का फैसला किया है। पोलैंड में पहले से ही अमेरिकी सेना का एक स्थायी बेस मौजूद है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि राष्ट्रपति बाइडेन दूसरे ऑप्शन के तौर पर इन सैनिकों को यूक्रेन से अमेरिकी नागरिकों को निकालने जैसे मिशन में शामिल करने के लिए तैनात कर रहे हैं।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के लिए मूलभूत सुविधाओं तक का अभाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बलूचिस्तान। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के तरह ही ईसाई समुदाय के लोग भी कई गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। देश की स्थानीय मीडिया के मुताबिक, बलूचिस्तान प्रांत के कोहलू जिले में ईसाई समुदाय के लोग रहने के लिए घरों की कमी का भारी सामना कर रहे हैं। साथ ही इलाके में बुनियादी सुविधाओं समेत कई गंभीर समस्याओं ने घर किया हुआ है। बलूचिस्तान का कोहलू जिला एक पिछड़ा और सुदूर क्षेत्र है। यहां की आबादी ढाई लाख के करीब है, इलाके में लोग बुनियादी सुविधाओं के आभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। जिले के रहवासी ईसाई 52 वर्षीय जुमा मसीह ने बताया कि उनका परिवार पिछले पांच दशकों से कोहलू में रह रहा है। शुरुआत में यहां बहुत कम लोग थे लेकिन अब उनकी संख्या बढ़कर 300 हो गई है और वे 50 घरों में ही रह रहे हैं। मसीह ने बताया कि वक्त के साथ इलाके में ईसाई समुदाय की आबादी बढ़ी है।

दूसरे के साथ सोते देखा तो बैट से पीटकर कर दी हत्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका के टेक्सस में एक भाई ने अपनी बहन की बेसबाल बैट से पीटकर हत्या कर दी। पुलिस जब जांच करने पहुंची तो पता चला कि आरोपी भाई अपनी ही बहन के साथ यौन संबंध बनाता था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसकी बहन के पड़ोस के किसी लड़के के साथ संबंध थे। इसी बात से गुस्सा होकर उसने अपनी बहन को इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जहां उसे कोर्ट में हत्या के आरोप का सामना करना पड़ेगा। टेक्सस की एल पासो काउंटी जिला अटॉर्नी ऑफिस ने बताया कि 32 साल के आरोपी जोस मैनुअल गुजमैन को 1 मिलियन डॉलर के बांड पर रखा गया है। उसने 2 फरवरी को अपनी बहन की क्रूरता से हत्या कर दी थी। जिसके बाद उसे कोर्ट में ट्रायल का सामना करना पड़ रहा है। उसने सोते समय अपनी बहन को पड़ोस के किसी लड़के के साथ रंगे हाथ पकड़ा था।

एफएटीएफ की बैठक के पूर्व धक–धक हो रहा इमरान का दिल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्थान की नजर इस महीने होने वाली फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स यानी पर टिकी है। एफएटीएफ की बैठक 21 से 25 फरवरी तक चलेगी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की नजरें पाकिस्तान के ग्रे लिस्ट में रहने या बाहर आने पर रहेगी। इसके अलावा इमरान को एक और बड़ी चिंता सता रही है कि एफएटीएफ कहीं उसे ब्लैक लिस्ट न कर दे। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान ने उन मानकों को पूरा कर लिया है, जो ग्रे लिस्ट से बाहर हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि एफएटीएफ पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट कर दे। विशेषज्ञ का मानना है कि एफएटीएफ की मीटिंग में बहुत सख्ती से इस बात पर गौर किया जाएगा कि इमरान सरकार ने टेरर फाइनेंसिंग और बड़े आतंकियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की और इसके सबूत कहां हैं ?

चीन की चुनौतियों से जूझ रहा भारत दोस्त के साथ जारी रखेंगे साझेदारी

रिपोर्ट

वाइट हाउस ने इंडो पैसिफिक स्ट्रेटजिक रिपोर्ट 2022 को जारी किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के आधिकारिक निवास और ऑफिस वाइट हाउस ने पहली बार इंडो पैसिफिक स्टैटजिक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट को जारी करते हुए कहा गया है कि भारत वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के व्यहार के कारण महत्वपूर्ण भू–राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रहा है। इतना ही नहीं अमेरिका ने साफ शब्दों में कहा है कि भारत उसका महत्वपूर्ण दोस्त और रणनीतिक साझेदार है। अमेरिका और भारत दक्षिण एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए एक साथ काम करते रहेंगे। इस रिपोर्ट में इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामक नीतियों की कड़ी आलोचना भी की गई है। बड़ी बात यह है कि बाइडेन प्रशासन ने अपने पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की भी सराहना की है।

जारी की गई रणनीतिक रिपोर्ट राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व वाले प्रशासन की पहली क्षेत्र विशिष्ट रिपोर्ट है। रिपोर्ट में हिंद–प्रशांत में अमेरिका की स्थिति को दृढ़ता से मजबूत करने, क्षेत्र को मजबूत करने और इस प्रक्रिया में भारत के उदय एवं क्षेत्रीय नेतृत्व का समर्थन करने के लिए राष्ट्रपति के दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया है। वाइट हाउस ने कहा, हम एक रणनीतिक साझेदारी का निर्माण करना जारी रखेंगे जिसमें अमेरिका और भारत दक्षिण एशिया में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए एक साथ और क्षेत्रीय समूहों के माध्यम से काम करते हैं, स्वास्थ्य, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस जैसे नए क्षेत्र में सहयोग करते हैं।

वाइट हाउस ने कहा कि हमारे आर्थिक और प्रौद्योगिकी सहयोग को मजबूत करते हैं, तथा एक स्वतंत्र और खुले हिंद–प्रशांत में योगदान करते हैं। हम मानते हैं कि भारत दक्षिण एशिया और हिंद महासागर में एक समान विचारधारा वाला भागीदार और नेतृत्वकर्ता है, जो दक्षिण पूर्व एशिया में सक्रियता से जुड़ा हुआ है। साथ ही भारत क्वाड और अन्य क्षेत्रीय मंचों की प्रेरक शक्ति और क्षेत्रीय विकास और विकास के लिए एक इंजन है। एक सवाल के जवाब में वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले चार प्रशासनों ने भारत के साथ संबंध सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हालांकि, एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने के अनुरोध पर बताया कि भारत महत्वपूर्ण चुनौतियों से जूझ रहा है। वाइट हाउस के अधिकारी ने कहा कि भारत को बहुत महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के व्यवहार का भारत पर जबरदस्त प्रभाव पड़ा है। हमारे दृष्टिकोण से हम अन्य लोकतंत्र के साथ काम करने के लिए जबरदस्त अवसर देखते हैं – एक ऐसे देश के साथ जिसकी समुद्री परंपरा है, जो वैश्विक साझा मुद्दों और क्षेत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों को आगे बढ़ाने के महत्व को समझता है। वरिष्ठ प्रशासक ने कहा कि पूर्ववर्ती अमेरिकी प्रशासन, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाला पिछला प्रशासन भी शामिल है, ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र में बहुत अच्छा काम किया है।

राजनयिक और दूतावास कर्मचारी जल्द छोड़ें कीव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। इजरायल ने रूस–यूक्रेन विवाद के बीच अपने राजनयिकों और दूतावास के कर्मचारियों पर बड़ा फैसला लिया है। इजरायल ने कहा कि उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव के कारण कीव से इजरायली राजनयिकों और दूतावास के कर्मचारियों को निकालने का फैसला किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश ने यात्रा चेतावनी जारी की है और यूक्रेन के इजरायली पर्यटकों को कीव छोड़ने की सलाह दी गई है।

मंत्रालय ने उन इजरायलियों की भी सिफारिश की जो अपनी योजनाओं को फिलहाल स्थगित करने के लिए यूक्रेन की यात्रा करने पर विचार कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि यूक्रेन में बिगड़ती स्थिति के मद्देनजर इजरायली नागरिक जो वर्तमान में यूक्रेन में हैं, उन्हें देश में अपने प्रवास पर पुनर्विचार करने की सलाह दी जाती है, जिसमें इजरायलियों से किसी भी मामले में फ्लैशपॉइंट क्षेत्रों में जाने से बचने का आग्रह किया गया है।

यात्रा चेतावनी के मुद्दे के बाद मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने दूतावास में इजरायली राजनयिकों और कर्मचारियों के परिवारों को निकालने का फैसला किया है।

पाक सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के दर्जनों नागरिकों को किया अगवा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ दिनों में बलूचिस्तान के पंजगुर से दर्जनों लोगों को अगवा किया है। सुरक्षा बलों पर हुए बड़े हमलों के बाद इन लोगों का अपहरण किया गया है। इन हमलों में कई सैनिक मारे गए थे। बलूच लापता व्यक्तियों के लिए आवाज उठाने वाले संगठन वीबीएमपी ने यह जानकारी दी है। क्वेटा प्रेस क्लब में शुक्रवार को वीबीएमपी की महासचिव सामी दीन बलूच ने बलूचिस्तान में हाल के घटनाक्रम पर पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पंजगुर और नोश्की हमले के बाद से बलूचिस्तान में लोगों को जबरन लापता करने और हत्या कर फेंकने की घटनाओं में तेजी आई है। यह स्थिति भयावह है।

जिनपिंग के साथ कश्मीर मुद्दा उठाने वाले इमरान को क्वाड का जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के क्वाड गठबंधन ने आतंकवाद लेकर कड़ा रुख दिखाया है। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में हुई क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में सभी देशों ने मुंबई और पठानकोट आतंकी हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने सीमा पार आतंकवाद की निंदा करते हुए संबंधित देशों से आतंकवादियों के पनाहगाहों को खत्म करने को कहा। दरअसल, कुछ दिनों पहले ही चीन दौरे पर गए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शी जिनपिंग के साथ मिलकर कश्मीर के मुद्दे को उठाया था। माना जा रहा है कि भारत ने इसी के जवाब में क्वाड में आतंकवाद के मुद्दे को शामिल कर पाकिस्तान को घेरने की कोशिश की है।

हम भारत में हुए आतंकवादी हमलों की निंदा दोहराते हैं

क्वाड विदेश मंत्रियों ने बैठक के दौरान सीमा पार आतंकवाद की निंदा की और देशों से आतंकवादियों के पनाहगाहों को खत्म करने, आतंकवादी नेटवर्क, आतंकी बुनियादी ढांचे और उन्हें बनाए रखने वाले वित्तीय माध्यमों को बाधित करने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। संयुक्त बयान में कहा गया कि इस संदर्भ में, हम सभी देशों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि उनके नियंत्रण वाले क्षेत्र का उपयोग आतंकवादी हमलों के लिए नहीं किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के हमलों के अपराधियों को शीघ्रता से दंडित किया जाए। क्वाड देशों ने एक सुर में कहा कि हम भारत में हुए आतंकवादी हमलों की अपनी निंदा दोहराते हैं, जिनमें 26ध्11 मुंबई और पठानकोट हमला भी शामिल है।

तालिबान को भी क्वाड देशों ने खूब सुनायाः क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने अफगानिस्तान में सत्ता पर काबिज तालिबान को भी खरी–खरी सुनाई है। उन्होंने कहा कि अगर किसी जमीन पर आतंकवादी गतिविधियां पनपती हैं तो ऐसे अनियंत्रित स्थान सुरक्षा के लिए एक सीधा खतरा हैं।

क्वाड के सकारात्मक योगदान पर किसी को नहीं करना चाहिए शकः एस जयशंकर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। आस्ट्रेलिया में क्वाड की अहम बैठक को लेकर विदेश मंत्री एस जयंशकर मेलबर्न में हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि क्वाड के सकारात्मक योगदान पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। जयशंकर ने यहां मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के दौरे के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और जापानी विदेश मंत्री हयाशी योशिमासा के साथ अपने आस्ट्रेलियाई समकक्ष मारिस पायने को भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली द्वारा हस्ताक्षरित क्रिकेट बैट उपहार में दिया। बता दें कि एमसीजी, जिसकी बैठने की क्षमता 1,00,000 से अधिक है, आस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा खेल का मैदान है। जयशंकर ने यहां क्वाड विदेश मंत्रियों की एक महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने और द्विपक्षीय बैठक के बाद पायने के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि किसी को भी क्वाड के सकारात्मक योगदान पर संदेह नहीं करना चाहिए।